Nai Dunia (Hindi) (Indore ed.) 09th June 2013, Page-4

इंदौर की परंपरा अनुसार नहीं हो सका राष्ट्रपति का भव्य स्वागत

इंदौर एयरपोर्ट पर स्वागत

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की शनिवार को इंदौर एयरपोर्ट पर अगवानी करते महापौर कृष्णमुरारी मोघे, राज्यमंत्री महेंद्र हार्डिया, विधायक तुलसी सिलावट, सुरेश पचौरी व अन्य।

राष्ट्रपति के तौर पर पहली बार इंदौर आए प्रणब मुखर्जी

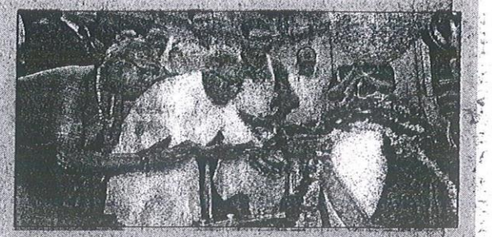

महाकाल पहुंचे, रखा अमावस्या का व्रत

आईआईटी की ओर से समारोह स्थल पर राष्ट्रपति की पसंद को ध्यान में रखते हुए मैन्यू में कुछ मांसाहारी व्यंजन भी शामिल किए थे। राष्ट्रपति के स्टाफ ने आईआईटी अधिकारियों से कहा कि राष्ट्रपति का अमावस्या का व्रत है। वे उज्जैन महाकाल में पूजा करेंगे उससे पहले कुछ नहीं लेंगे।

प्रणब ने टॉपर्स से कहा तुम्हें समाज ने बनाया है

आईआईटी इंदौर का पहला दीक्षांत समारोह पिछले कुछ दिनों से लगातार विवादों में बना रहा और समापन के बाद भी राष्ट्रपति की विदाई तक इसका सिलसिला जारी रहा। कड़ी सुरक्षा के बीच समारोह सफल रहा, लेकिन इससे इंदौर की राजनीति में हलचल पैदा हो गई है। हालांकि आईआईटी छात्रों को प्रणब दा ने अपने भाषण में बच्चों को याद दिलाया कि उन्हें बनाने में और यहां तक पहुंचाने में समाज का भी योगदान है। अब उनकी बारी है कि इस कर्ज को चुकाएं। कार्यक्रम के बाद वे उज्जैन गए और महाकाल के दर्शन किए।

राष्ट्रपति बोले - मुझे दुःख है दुनिया की टॉप 200 यूनिवर्सिटी में हमारी एक भी नहीं

इंदौर(नप्र)। आईआईटी इंदौर की पहली बैच के पासआउट 99 विद्यार्थी डिग्री मिलने की खुशी में अपनी टोपियां हवा में उछालते उससे पहले राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने नसीहत दे डाली कि आपको समाज ने बनाया है, आपको उसका कर्ज उतारना है। उन्होंने महात्मा गांधी को उद्दृत करते हुए कहा 'व्यक्ति सोचता है कि वह जो बना है वह खुद के कारण है। जबकि उसके निर्माण में समाज की भूमिका होती है।' प्रथम दीक्षांत समारोह के मंच से राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे दुःख होता है कि दुनिया की टॉप 200 यूनिवर्सिटी में देश का एक भी संस्थान नहीं है।

खंडवा रोड स्थित सिमरोल में आईआईटी के पहले दीक्षांत समारोह के मंच पर राष्ट्रपति पारंपरिक लाल गाउन (रॉब) पहने बैठे थे। राष्ट्रपति ने आईआईटी की पहली बैच के टॉपर अंकित गोयल को प्रेसिडेंट गोल्ड मैडल से सम्मानित किया। तीन अन्य विद्यार्थियों को उन्होंने सिल्वर मैडल पहनाए। मुख्य अतिथि के रूप में भाषण के दौरान राष्ट्रपति मुखर्जी का वित्तमंत्री वाला पुराना रूप भी नजर आया। उन्होंने कहा प्रतिस्पर्धा के युग में कई बार आर्थिक बढ़त का नकारात्मक दौर भी आता है। मैं चार दशक तक वित्त मंत्री रहा ऐसे कई दौर आए लेकिन कभी निराश नहीं हुआ। 1951 से 1979 में देश की आर्थिक विकास दर 3.5 प्रतिशत थी। 80 के दशक में साढ़े पांच प्रतिशत रही। बीते दस वर्षों में हमने 7.9 प्रतिशत विकास दर को छू लिया। 2008-9 की सबसे बड़ी मंदी में भी हम टिके रहे। ऐसे में मौजूदा 5 प्रतिशत की विकास दर के आंकड़े के बाद ध्यान तो देना है लेकिन घबराना नहीं है।

ऑक्सफोर्ड-केंब्रिज से पहले

श्री मुखर्जी ने कहा कि ऑक्सफोर्ड,केंब्रिज से वर्षों पहले 12वीं सदी में ही हमारे देश में तक्षशिला, नालंदा, सोनबिहार जैसे तमाम उच्चशिक्षा संस्थान रहे हैं। हमने तो दुनिया को उच्चशिक्षा का मतलब समझाया है। हममे क्षमता है, टैलेंट भी कोई कारण नहीं कि हम विश्व के सर्वेष्ठ संस्थान नहीं बन सके। भौतिक बढ़त जरूरी है, लेकिन इनोवेशन इसकी चाबी है। राष्ट्रपति ने कहा कि जर्मनी में 21 प्रतिशत छात्र उच्चशिक्षा में पंजीकृत होते हैं अमेरिका में 34 प्रतिशत लेकिन भारत में सिर्फ 7 प्रतिशत। इसी तरह गरीबी की दर भी भारत में दूसरे देशों से ज्यादा है।

मंच पर 24 लोग

सिमरोल में मंच पर कुल 24 लोगों को जगह दी गई थी। मुख्यपंक्ति में सात कुर्सियां थी। मध्य में राष्ट्रपति मुखर्जी बैठे थे। उनके एक ओर मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर स्वास्थ्य राज्यमंत्री महेंद्र हार्डिया व दूसरी ओर कांग्रेस नेता सुरेश पचौरी के साथ राज्यपाल रामनरेश यादव, आईआईटी चेयरमैन अजय पिरामल व निदेशक प्रो.प्रदीप माथुर मौजूद थे।

प्रोटोकॉल की बात होती रही और शुक्रवार रात सब बदल गया

नाराज अफसरों ने आईआईटी का पानी तक नहीं पिया

प्रणब दा का 'थ्री-डी'

दार्शनिक	अर्थशास्त्री	शिक्षक
'व्यक्ति सोचता है कि वह जो बना है वह खुद के कारण है। जबकि उसके निर्माण में समाज की भूमिका होती है।'	2008-9 की सबसे बड़ी मंदी में भी हम टिके रहे। ऐसे में मौजूदा 5 प्रतिशत की विकास दर के आंकड़े के बाद घबराना नहीं है।	जर्मनी में 21 प्रतिशत छात्र उच्चशिक्षा में पंजीकृत होते हैं अमेरिका में 34 प्रतिशत लेकिन भारत में सिर्फ 7 प्रतिशत।